M.A. 3rd Semester Examination, December -2023
Assamese
ASM3.06 (DSEC): Translation Studies
Full Marks: 60
Time Allowed: 3 hours

১. (ক) অনুবাদ বুলিলে কি বুজা? অনুবাদৰ প্ৰকাৰসমূহৰ বিষয়ে বহলাই লিখা।

অথবা ৩ + ৯ = ১২

(খ) 'অনুবাদ' শব্দৰ বুৎপত্তিৰ বিষয়ে আলোচনা কৰি অনুবাদ প্ৰক্ৰিয়াৰ বিষয়ে এক বিৱৰণ প্ৰস্তুত কৰা। ২ + ১০ = ১২

২. (ক) অনুবাদত সংস্কৃতিৰ গুৰুত্ব সম্পৰ্কে উদাহৰণসহ এটি আলোচনা যুগুত কৰা। ১২

অথবা

(খ) অনুবাদত ভাষাশৈলীৰ গুৰুত্ব সম্পৰ্কে আলোচনা কৰা। ১২

৩. (ক) সৃষ্টিশীল সাহিত্যৰ অনুবাদ সম্পৰ্কে আলোচনা কৰা। ১২

অথবা

(খ) সাহিত্যনুবাদৰ সমস্যাসমূহৰ বিষয়ে আলোচনা কৰা। ১২

৪. (ক) 'সাহিত্যভিন্ন বিষয়ৰ অনুবাদ' শীৰ্ষক এটি আলচ যুগুত কৰা। ১২

অথবা

(খ) বেংক সম্বন্ধীয় পাঠৰ অনুবাদ আৰু সমস্যাৱলী সম্পৰ্কে আলোচনা কৰা। ১২

Paragraph-I

Freud's views allow us to see how recurringly in certain everyday situations, certain things that we might want to do can come into contradiction with cultural norms and values, causing in us unease, ambivalence and a certain sense of shame. For example, one might have a great desire to have sex with an attractive person one has just met. But in wanting this one may well come up against a whole series of obstacles, as we saw Sylvia Smith's would-be suitor did in the Introduction to this book. First, the other person may not want to sleep with you; and one reason for that is that they are working within a cultural framework that defines you as not particularly 'attractive'. Second, let us assume that the people we are talking about are on a first date. In most cultures, one is generally expected to engage in some sort of courtship ritual to get sexual consent to sleep with someone. Dating in modern Western societies has certain norms and rules about it- endlessly elaborated and discussed in special guidebook on the subject – just as much as do the courtship rituals of other societies, for example where arranged marriages are normal. One of the people in our imaginary date might very much want to get together sexually straight away, but the other person might be thinking, on the basis of wider cultural definitions of 'good' and 'bad' behaviour, that sleeping together after that first date is somehow 'wrong'. In heterosexual relationships, women in particular in a society like ours may feel pressure not to submit to the man's advances too early in the courtship process because such behaviour is commonly defined as 'slutty'. Even if both partners find each other incredibly alluring, they both have to deal with certain norms as to how far to go so early in their putative relationship. Both may feel embarrassed and uncertain about how far to give into what they want to do, driven by the biological urge to procreate, and how far to restrain that urge, because they do not want to be seen to be too 'crude' or 'fresh' or 'too easy'.

Paragraph-II

वेदों-ग्राम में महादेव सोनार एक सुविख्यात आदमी था। वह अपने सायबान में प्रातः से संध्या तक अंगीठी के सामने बैठा हुआ खटखट किया करता था। यह लगातार ध्वनि सुनने के लोग इतने अभ्यस्त हो गए थे कि जब किसी कारण से वह बंद हो जाती, तो जान पड़ता था, कोई चीज गायब हो गयी। वह नित्य-प्रति एक बार प्रातःकाल अपने तोते का पिंजड़ा लिए कोई भजन गाता हुआ तालाब की ओर जाता था। उस धंधले प्रकाश में उसका जर्जर शरीर, पोपला मुंह और झुकी हुई कमर देखकर किसी अपरिचित मनुष्य को उसके पिशाच होने का भ्रम हो सकता था। ज्यों ही लोगों के कानों में आवाज आती- 'सतत गुरुदत्त शिवादत्त दाता', लोग समझ जाते कि भोर हो गयी।

महादेव का पारिवारिक जीवन सूखमय न था। उसके तीन पुत्र थे, तीन बहूएं थी, दर्जनों नाती-पोती थे, लेकिन उसके बोझ को हल्का करने-वाला कोई न था। लड़के कहते- 'तब तक दादा जीते हैं, हम जीवन का आनंद भोग ले, फिर तो यह ढोल गले पड़ेगी ही।' बेचारे महादेव को कभी-कभी निराहार ही रहना पड़ता। भोजन के समय उसके घर में साम्यवाद का ऐसा गगनभेदी निर्घोष होता कि वह भूखा ही उठ जाता, और नारियल का हुक्का पीटा हुआ सो जाता। उनका व्यावसायिक जीवन और भी अशांतिकर था। यद्यपि वह अपने काम में निपुण था, उसकी खटाई औरों से कहीं ज्यादा शुद्धिकारक और उसकी रासायनिक क्रियाएं कहीं ज्यादा कष्टसाध्य थी, तथापि उसे आए दिन शक्की और धैर्य-शून्य प्राणियों के अपशब्द सुनने पड़ते थे, पर महादेव अविचलित गांभीर्य से सिर झुकाए सब कुछ सुना करता था। ज्यों ही यह कलह शांत होता, वह अपने तोते की ओर देखकर पुकार उठता- 'सतत गुरुदत्त शिवादत्त दाता।' इस मंत्र को जपते ही उसके चित्त को पूर्ण शांति प्राप्त हो जाती थी।

****